विषय-सूची

प्रथम अध्याय : समाजवाद.

समाजवाद का सामान्य विवेचन

समाजवाद की परिभाषा

पारिभाषिक समस्याएं एवं कारण

समाजवाद के तत्व एवं विशेषताएं

आधुनिक समाजवाद

महान समाजवादी विचारक :

१- डा॰ राम मनोहर लोहिया :

स्मरणीय योगदान - सामाजिक चिन्तक

२- आचार्य नरेन्द्र देव :

समाजवादी विचारधारा - सामाजिक दर्शन

निराला और यथार्थवाद :

१- कृतियों में यथार्थ रूप-चित्रण

२- सामाजिक यथार्थ

३- यथार्थ में कला का निखार

भारत और समाजवाद :

१- समाजवादी समाज

२- समाज-हित

३- मनुष्य प्रवृत्ति

४- समाजवाद एक युग धर्म

निराला के गद्य-साहित्य में समाजवाद : एक संक्षिप्त विवेचन.

द्वितीय अध्याय : निराला का जीवन दर्शन

जन्म : 'निराला' नाम एक इतिहास
विवादास्पद जन्म-तिथि
शिक्षा
साहित्यिक रचना-काल
निराला का व्यक्तित्व : अंतरंग परिचय
बहिरंग परिचय
गद्य-साहित्य में प्रतिबिम्बित व्यक्तित्व
शारीरिक रोग एवं मृत्यु
संपादक निराला
भूमिकाओं में चिन्तन :
कहानियां - निबंध संग्रह - जीवनी साहित्य -
औपन्यासिक रेखाचित्र
निराला के प्राक्कथन और समर्पण :
उपन्यास - औपन्यासिक रेखाचित्र - कथा साहित्य -
निबंध संग्रह
निराला के निवेदन और आवेदन :
उपन्यास - औपन्यासिक रेखाचित्र - कहानियां - निबंध संग्रह
काव्य क्षेत्र से गद्य-साहित्य की ओर प्रयाण.

तृतीय अध्याय : निराला के उपन्यास-साहित्य में सामाजिक चिन्तन.

उपन्यास-साहित्य का सामान्य परिचय
उपन्यास शब्द-विवेचन
उपन्यास की परिभाषा
निराला के उपन्यास : स्वच्छन्दतावाद के दर्शन
रेखांकित उपन्यासों के अवरोधन का प्रश्न

निराला की प्रतिक्रिया : सम-सामयिक उपन्यास साहित्य के प्रति, पूर्ववर्ती साहित्य

निराला के उपन्यासों का पृथक विवेचन :

१- अप्सरा :

विषयवस्तु - पात्र-कल्पना - समाज का चिंतन - युग चित्रण - संवाद - व्यंग्य - निष्कर्ष

२- अलका :

विषयवस्तु - पात्र-कल्पना - समाज का चिंतन - युग-चित्रण - संवाद - व्यंग्य - निष्कर्ष

३- प्रभावती :

एक ऐतिहासिक रोमांस - आंचलिकता - कथावस्तु - सौंदर्य प्रभाव - पात्र और चरित्र-चित्रण - सांस्कृतिक चित्रण - कथोपकथन - उद्देश्य.

४- निरुपमा :

कथा-फलक - ग्रामीण समाज के वातावरण का चित्रण - पात्र-परिचय - कथोपकथन - वैचारिक पक्ष.

५- चमेली :

कथावस्तु - ग्रामीण समाज का कटु व्यंग्य चित्रण - प्रगतिवादी स्वर - स्थानीय रंग एवं संवाद.

६- चोटी की पकड़ :

कथा-फलक - विनाशोन्मुख जीवन की विलासिता एवं खोखलेपन का यथार्थ एवं हृदयग्राही चित्रण - पात्र परिचय - निराला विद्रोही-वृत्ति का चित्रण - निष्कर्ष

७- काले कारनामे :

कथावस्तु - पात्र परिचय - मूल्यांकन.

८- इन्दुलेखा :

कथावस्तु - पात्र परिचय - मूल्यांकन

निराला के उपन्यास-साहित्य का मूल्यांकन

निराला के औपन्यासिक रेखाचित्र :

रेखाचित्र - रेखाचित्र और संस्मरण - रेखाचित्र और कहानी - जीवनी और आत्मकथा.

`कुल्लीभाट` और `बिल्लेसुर बकरिहा` का सामान्य परिचय :

१- कुल्लीभाट : निराला जीवन दर्शन - नि:स्वार्थ सेवा-भाव - कटु सत्य - लोक-स्वीकृति - रेखांकित विडम्बना - व्यंग्य - कुल्लीभाट का चरित्र-चित्रण - कथात्मक प्रश्न - निष्कर्ष.

२- बिल्लेसुर बकरिहा : तटस्थ अंकन - महिमामय एवं रोचक व्यक्तित्व - ग्रामीण समाज का सजीव एवं सुंदर चित्रण - व्यंग्य में हास्य की रेखा - कथा-रूप : एक वाद - निष्कर्ष.

`कुल्लीभाट` और `बिल्लेसुर बकरिहा` का सामाजिक धरातल पर तुलनात्मक मूल्यांकन.

चतुर्थ अध्याय : निराला का कहानी-साहित्य - एक समाजवादी प्रेरणा-स्रोत.

कहानी : सामान्य परिचय

कहानी-संग्रह

विषय की दृष्टि से विभाजन

कथोपकथन

पात्र एवं चरित्र-चित्रण

आरम्भ और अन्त

शीर्षक

निराला की कहानियों का वर्गीकरण :

(क) सामाजिक कहानियां

(ख) दार्शनिक-धार्मिक कहानियां

(ग) संस्मरणात्मक कहानियां

निराला के कहानी-साहित्य का मूल्यांकन.

पंचम अध्याय : निराला के निबंध-साहित्य में समाजवादी चिंतन.

निबंधों का सामान्य परिचय
'निबंध' शब्द विश्लेषण
निबंध परिभाषा
हिन्दी निबंध का विकास
निराला के निबंधों का वर्गीकरण
निराला के निबंधों का विवेचन :
(क) साहित्यिक निबंध (ख) सामाजिक निबंध
(ग) संस्मरणात्मक निबंध (घ) जीवनीपरक निबंध
(ङ) दार्शनिक-धार्मिक निबंध (च) स्फुट निबंध
निबंध-साहित्य का मूल्यांकन.

षष्ठम अध्याय : आलोचना.

निराला का आलोचना-साहित्य : एक संक्षिप्त विवेचन.
रवीन्द्र कविता कानन
पन्त और पल्लव
पत्र-पत्रिकाओं में लिखित आलोचना-साहित्य
निराला द्वारा आलोचित अन्य लेखकों का साहित्य
आलोचना-साहित्य का मूल्यांकन

सप्तम अध्याय : निराला का जीवनी-साहित्य
(आलोकोपयोगी जीवन-साहित्य)

जीवनी : सामान्य परिचय
जीवनी और आत्मकथा

निराला की जीवनी-कृतियां :

१- भक्त ध्रुव   २- भीष्म   ३- महाराणा प्रताप

४- भक्त प्रह्लाद

जीवनी-साहित्य का मूल्यांकन.

अष्टम अध्याय : निराला के स्फुट गद्य-साहित्य में समाजवाद के दर्शन.

पृष्ठभूमि

अनुवाद-साहित्य : निराला की विशेष दृष्टि

पत्र-साहित्य

महाभारत

रामायण की अन्तर्कथाएं

स्फुट गद्य-साहित्य का मूल्यांकन.

उपसंहार

परिशिष्ट : १- आलोचकों की नजर में

२- निराला के विचार-बिंदु

३- निराला की मौलिक गद्य-कृतियां

४- सहायक ग्रंथ-सूची : हिन्दी, अंग्रेजी, पत्र-पत्रिकाएं